No. of Printed Pages : 5

BPY-007

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2018

01641

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-007 : ETHICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :
- *(i) Answer **all five** questions.*
- *(ii) **All** questions carry **equal** marks.*
- *(iii) Answer to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Highlight the importance of Natural Reason in ethics. 20

OR

Explain briefly the ethical teachings of Swami Dayananda Saraswati and the Arya Samaj. 20

2. Explain different teleological and deontological theories of ethics. 20

OR

What is Abortion ? What are the different kinds and types of abortion ? 20

3. Answer **any two** of the following in about **200 words** each :
   - (a) What is a vice ? What are the vices according to Christianity ? Explain. 10
   - (b) Examine the nature of virtue ethics in Medieval philosophy. 10

(c) What is the role of religion and philosophy in developing moral disciplines in India ? Describe. 10

(d) Briefly explain the causes of terrorism. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each :

(a) How is Karmayoga presented in Bhagavad Gita ? 5

(b) Explain briefly the ethical teachings of Mahatma Gandhi. 5

(c) What does Kant mean by the Categorical Imperative as the Principle of Morality ? 5

(d) What is the contemporary approach to normative ethical monism ? 5

(e) List the important Hindu and Islamic virtues. 5

(f) Explain suicide. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :

(a) Consumerism 4

(b) Euthanasia 4

(c) Professional ethics 4

(d) Socratic ethics 4

(e) Ethics of capability by Amartya sen 4

(f) Moral sentiments 4

(g) Ethics through aesthetics 4

(h) Cardinal virtues of Plato 4

बी.पी.वाई.-007

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. नीतिशास्त्र में प्राकृतिक बुद्धि के महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

स्वामी दयानन्द सरस्वती और आर्य समाज की नैतिक शिक्षाओं की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 20

2. विभिन्न उद्देश्यवादी और कर्तव्यवादी नीतिशास्त्रीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

गर्भपात क्या है? गर्भपात के विभिन्न प्रकार एवं ढंग कौन से हैं? बताएं। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200 शब्दों** में दीजिए।

(a) बुराई क्या है? इसाई धर्म के अनुसार बुराई कितने प्रकार की हैं? व्याख्या करें। 10

(b) मध्यकालीन दर्शन में सद्गुण नीतिशास्त्र की प्रकृति की परीक्षा कीजिए। 10

(c) भारत में नैतिक विषयों के विकास में धर्म और दर्शन की भूमिका क्या है? स्पष्ट करें। 10

(d) आतंकवाद के कारणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150 शब्दों** में दीजिए।

(a) भगवद् गीता में कर्मयोग को कैसे वर्णित किया गया है? 5

(b) महात्मा गांधी की नैतिक शिक्षाओं को संक्षेप में समझाएँ। 5

(c) नैतिकता के सिद्धान्त के रूप में निरपेक्ष आदेश से कांट का क्या तात्पर्य है? 5

(d) नियामक नैतिक एकतत्ववाद के प्रति समकालीन दृष्टिकोण क्या है? 5

(e) हिन्दू एवं ईस्लाम धर्म के महत्वपूर्ण सद्गुणों को स्पष्ट करें। 5

(f) आत्महत्या की व्याख्या कीजिए। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) उपभोगतावाद **4**

(b) इच्छा मृत्यु **4**

(c) व्यवसायात्मक नीतिशास्त्र **4**

(d) सुकरातवादी नीतिशास्त्र **4**

(e) आमर्त्य सेन का सामर्थ्यवादी नीतिशास्त्र **4**

(f) नैतिक संवेग **4**

(g) सौन्दर्यशास्त्र के माध्यम से नीतिशास्त्र **4**

(h) प्लेटो के प्रधान सद्गुण **4**